मध्य प्रदेश के प्रमुख वन्यजीव अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान, टाइगर रिज़र्व

नाम	स्थापना वर्ष	स्थान	महत्वपूर्ण तथ्य
कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान	1879	मंडला और बालाघाट	• भारत में प्रथम बाघ अभयारण्य, पहला राष्ट्रीय उद्यान और पहला वन्यजीवअभयारण्य। • जिसे सन सेट पॉइंट भी कहा जाता है। • बंजर और सुपर्ण नदी यहाँ बहती है।
बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	1968	उमरिया	• 32 पहाड़ियों से घिरा हुआ है। • चरण गंगा नदी यहाँ बहती है। • बंगाल टाइगर के लिए प्रसिद्ध • भारत में सर्वाधिक बाघ घनत्व। • 1993 में प्रोजेक्ट टाइगर का हिस्सा बना।
पन्ना राष्ट्रीय उद्यान	1981	पन्ना और छतरपुर	• जिसे सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान भी कहा जाता है • उत्तर दिशा में केन नदी प्रवाहित होती है, जो इस उद्यान की जीवन रेखा है। • 1994 में प्रोजेक्ट टाइगर का हिस्सा बना।
पेंच राष्ट्रीय उद्यान	1977	सिवनी और छिंदवाड़ा	• मध्य प्रदेश- महाराष्ट्र सीमा पर स्थित हैं। • राष्ट्रीय राजमार्ग 44 इसके निकट स्थित है। • मोगली लैंड फेस्टिवल 2004 से यहां मनाया जाता है।

byjusexamprep.com

			• 1992 में प्रोजेक्ट टाइगर का हिस्सा बनें।
माधव राष्ट्रीय उद्यान	1958	शिवपुरी	• सिंधिया साम्राज्य द्वारा स्थापित। • राष्ट्रीय राजमार्ग 3 और 25 इसके पास स्थित हैं।
संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान	1983	सीधी और सिंघरौली	• अविभाजित मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान। • 2008 में प्रोजेक्ट टाइगर का हिस्सा बना।
सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान	1981	होशंगाबाद	• काले हिरण की सबसे बड़ी संख्या मौजूद है।
वन विहार राष्ट्रीय उद्यान	1979	भोपाल	• मध्यप्रदेश का एक मात्र सर्प उद्यान
कूनो राष्ट्रीय उद्यान	2018	श्योपुर और मुरैना	• नया राष्ट्रीय उद्यान
नौरादेही अभ्यारण्य	1975	सागर	• अफ्रीकी बाघों का पुनर्वास। • टाइगर, नीलगाय, चिंकारा और जंगली भैंसों के लिए प्रसिद्ध।
रालामंडल अभ्यारण्य	1989	इंदौर	• मध्य प्रदेश का सबसे छोटा अभ्यारण्य • भारत का प्रथम लोमड़ी संरक्षण केंद्र।
सरदारपुर अभ्यारण्य	1983	धार	-
सैलाना अभ्यारण्य	1983	रतलाम	-
घाटी गांव अभ्यारण्य	1981	ग्वालियर	• सिंधिया और तोमर राजवंशो द्वारा स्थापित।

byjusexamprep.com

			• जिसे शाहबलु और सोन चिडिया के नाम से भी जाना जाता है।
करेरा अभ्यारण्य	1981	शिवपुरी	• महुअर और बाघेरी नदियाँ यहाँ से बहती हैं।
चंबल अभ्यारण्य	1978	मुरैना, भिंड, धौलपुर (राजस्थान) और इटावा (उत्तर प्रदेश) में फैला हुआ है,	• डॉल्फ़िन संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है।
सोन घड़ियाल अभ्यारण्य	1981	शहडोल	-
केन अभ्यारण्य	1981	छतरपुर और पन्ना	-
खिवनी अभयारण्यचिड़ी खेड़ा	1995	देवास	• बाल गंगा नदी यहाँ से उत्पन्न होती है।
नरसिंह अभ्यारण्य	1974	राजगढ़	• चिड़ी खो झील यहाँ स्थित है
गौ अभ्यारण्य	2021	आगर-मालवा	• भारत और मध्य प्रदेश का प्रथम गौ संरक्षण केंद्र स्थित है।
गांधी सागर अभ्यारण्य	1974	नीमच और मंदसौर	-
पचमढ़ी अभ्यारण्य	1977	होशंगाबाद	• यूनेस्को ने 1999 में इसे मध्य प्रदेश का पहला जैव संरक्षण क्षेत्र घोषित किया था। • काले हिरण के लिए प्रसिद्ध
राता पानी अभ्यारण्य	1976	सीहोर और रायसेन	• 2014 में प्रोजेक्ट टाइगर का हिस्सा बने।

byjusexamprep.com